

શાયામલકેશ

एक यज्ञ - एक अखबार

<https://epaper.shubhamsandesh.net>



मन का बात में बोले पीएम मोदी-गाधी जयती पर जखर खराद खादी **छठ पूजा को यूनेस्को की सूची में कराएंगे शामिल**

एजेंसियां। नयी दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 126वें एपिसोड में देशवासियों से सीधा संवाद किया। इस एपिसोड में उन्होंने भारतीय संस्कृति, परंपराओं, स्वतंत्रता सेनानियों और नारी शक्ति के योगदान पर गहन चर्चा की। कार्यक्रम का प्रसारण आकाशावाणी, दूरदर्शन और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर गया था। पीएम मोदी ने छठ पूजा के महत्व पर विशेष जोर देते हुए इसे भारत की जीवंत सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा, छठ पूजा एक ऐसा पावन पर्व है, जो दिवाली के बाद आता है। सर्वदेव को समर्पित यह महापर्व बहुत ही विशेष है। इसमें हम दुर्बत सूखे को भी अर्थदेते हैं, उनकी आराधना करते हैं। उन्होंने बताया कि यह पर्व न केवल देश के विभिन्न हिस्सों में उत्साह से मनाया जाता है, बल्कि अब वैश्वक स्तर पर भी अपनी पहचान बना रहा है। पीएम ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की कि भारत सरकार छठ महापर्व को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल करने के लिए प्रयासरत है।

कार्यक्रम में पीएम मोदी ने शहीद भगत सिंह की जयंती पर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा, अमर शहीद भगत सिंह हर भारतवासी और खासकर युवाओं के लिए प्रेरणा पूँज हैं। निर्भीकता उनके स्वभाव में कूट-कूटकर भरी थी। फांसी से पहले अंग्रेजों को लिखे पत्र का जिक्र करते हुए पीएम ने उनके अदम्य साहस और संवेदनशीलता की मिसाल दी। इसी तरह, भारत 'रन' लता मंगेशकर की जयंती पर उनके संगीतमय योगदान की सराहना की। पीएम ने कहा, लता मंगेशकर की जयंती है। उनके गीतों में वह सब कुछ है, जो मानवीय संवेदनशीलों को झकझोरता है। उन्होंने देशभक्ति के जो गीत गए, उन्होंने लोगों को बहत प्रेरित किया। उन्होंने लता जी के वीर सावरकर से प्रेरणा लेने का जिक्र किया, जिन्हें वे 'तात्या' कहती थीं। पीएम ने लता दीवी से अपने निजी रिश्ते को याद करते हुए बताया कि वे हर साल बिना बोले राखी भेजा करती थीं। उन्होंने मराठी गीत 'ज्येति कलश छलके' का जिक्र किया और इसे कार्यक्रम में सुनाया भी।

झारखंड के सत्यव्रत साहू की सुनाई कहानी



हैंडलूम और हैंडीक्राप्ट सेक्टर की सफल कहानियां

- झारखंड के आशीष सत्यवर्त साहू: 'जोहारग्राम' ब्रांड के जरिए आदिवासी बुनाई को ग्लोबल रैप तक पहुंचाया.
 - तमिलनाडु के 'याङ्ग नेचुरल्स' : अशोक जगदीशन और प्रेम सेल्वाराज ने घास-केले के रेशों से योगा मैट बनाए, 200 परिवारों को रोजगार दिया.
 - बिहार की स्वीटी कुमारी: 'संकल्प क्रिएशन' के माध्यम से मिथिला पैटिंग को आजीविका बनाया, 500 महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया.
 - पीएम ने कहा, 'ये सफलता की गाथाएं सिखाती हैं कि हमारी परंपराओं में आय के अनगिनत साधन छिपे हैं। अगर इरादा पक्का हो, तो सफलता दूर नहीं।'

बेटियों की सराहना
 नवरात्रि के पावन अवसर पर पीएम
 मोदी ने बेटियों को संबोधित करते
 कहा, हम नारीशक्ति का उत्सव म
 हैं। बिजनेस से लेकर स्पोर्ट्स तक
 और एजुकेशन से लेकर साइंस त
 देश की बेटियों हर जगह अपना
 परचम लहरा रही हैं। उन्होंने भारत
 नौसेना की दो बहादुर अधिकारियों
 लेपिटनेट कमांडर दिलना और
 लेपिटनेट कमांडर रुणा - से बात
 की, जिन्होंने नाविक सागर
 परिक्रमा' के दौरान साहस का
 परिचय दिया। पीएम ने कहा, ये दो
 बहादुर अधिकारी नौसेना के गैरव

खादी खारीदे...कहें-ये स्वदेशी है
आगमी त्योहारों को देखते हुए पीपम ने स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। खासकर 2 अवटूर को गांधी जयंती के अवसर पर उन्होंने कहा, कोई न कोई खादी प्रोडक्ट जरुर खरीदें। गर्व से कहें-ये स्वदेशी हैं। उन्होंने बताया कि आजादी के बाद खादी की लोकप्रियता घटी थी, लेकिन पिछले 11 वर्षों में बिक्री में भारी वृद्धि हुई है। इसे 'वाकल फॉर लोकल' के साथ सोशल मीडिया पर शेयर करें, उन्होंने अपील की। मोदी ने कहा, 2 अवटूर को गांधी जयंती है। गांधी जी ने हमेसा स्वदेशी को अपनाने पर बल दिया और इनमें खादी सबसे प्रमुख थी। दुर्भाग्य से आजादी के बाद खादी की गैरक कुछ फिली पड़ी जा रही थी, लेकिन पिछले 11 साल में खादी के प्रति देश के लोगों का आकर्षण बहुत बढ़ गया है। पिछले कुछ सालों में खादी की बिक्री में बहुत तेजी देखी गई है। ये सिलसिला बरकरार रहना चाहिए।

बीजेपी के निशाने पर लद्दाख के लोग राहुल गांधी बोले-उन्हें छठी अनुसूची का अधिकार दो

एजेंसियां। नयी दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को लद्दाख में हुए हिंसक प्रदर्शन को लेकर बीजेपी सरकार पर निशाना साधा। इस हिस्सा में 4 लोगों की मौत हो गई थी। राहुल गांधी ने इसके लिए बीजेपी और आरएसएस को जिम्मेदार ठराते हुए कहा कि लद्दाख का उत्तराखण्ड का हिस्सा है।

**पूरा देश नक्सलवाद से
मुक्त हो जाएगा : शाह**

नवी दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को फिर दोहराया कि देश से नक्सलवाद 31 मार्च, 2026 तक समाप्त हो जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने वामपंथी विचारधारा पर 'भी हमला किया और कहा कि वैचारिक, कानूनी और विभिन्न मदद करने वालों को जब तक देश की जनता पहचान नहीं लेती, तब तक हिंसात्मक वामपंथ के खिलाफ लड़ाई समाप्त नहीं होगी। गृहमंत्री 'भारत मन्थन 2025-नक्सली मुक्त भारत' के सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, बहुत से लोग मानते हैं कि नक्सलियों द्वारा की जा रही हत्याओं को रोकना ही भारत से नक्सलवाद का सफाया करने के लिए

**बरेली बवाल पर 24 घंटे में योगी का तीसरा अल्टीमेटम, बोले-
दंगा किया तो सीधे जहनम का टिकट**

एजेंसियां। बलरामपुर



की तो जहन्नुम का टिकट दूंगा। उहोने अंगुर की कालनेमि राक्षस से तुलना करत हुए कहा कि विकास में बाधा डालने वाले राक्षसों का विनाश होगा। भारत में नहीं चलेगा गजवा-ए-हिंद : सीएम ने कहा कि कुछ लोग भारत में

लोक की लीला के लिये कालायत्रि का आलोक

स्वरूप समय की लघु सीमा से लेकर इसके बहूद सीमा में समाया सृष्टि का रूप है, जहाँ समस्त लीलाएँ होती हैं।

माता कालरात्रि, मां दुर्गा का सातवां रूप है और नवरात्रि के सातवें दिन इनकी पूजा होती है। उनका रूप भयानक है, लेकिन वे अपने भक्तों के शुभ फल देती हैं, इसीलिए उन्हें शुभंकरी भी कहा जाता है। वे भक्तों को हताह के भय से मुक्त करती हैं, सिद्धियों का प्रदान करती हैं और नकारात्मक शक्तियों का नाश करती है। उनका शरीर घने अंधकार में जैसा काला है। उनके सिर के बाल खिखरे हुए हैं और ब्रह्मांड के समान गोल तीन नेत्र हैं गले में विद्युत की तरह चमकने वाली माल धारण करती हैं। उनकी सांसों से अग्निनिकलती रहती है। वे गर्दभ (गधा) पर सवार हैं। उनके चार हाथों में खड़ग (तलवार), अभ्युमुद्रा और वरमुद्रा होती है। उनके नाम के उच्चारण मात्र से ही भूत, प्रेत, राक्षस आदि असुरी शक्तियां भयभीत होकर दर भग जार्ति

हैं, भय मुक्तिरू भक्त हर तरह के भय जैसे अग्नि, जल, जंतु, शत्रु और रात्रि आदि से मुक्त हो जाता है, सिद्धियों की प्राप्तिरू उनकी उपासना करने से सभी प्रकार की सिद्धियों के द्वारा खुल जाते हैं। इस दिन साथक का मन सहस्रार चक्र में स्थित रहता है, इसके लिए ब्रह्मांड की समस्त सिद्धियों का द्वारा खुलने

लगता है। देवी कालरात्रि को व्यापक रूप से माता देवी - काली, महाकाली, भद्रकाली, भैरवी, मृत्यु-रुद्राणी, चामंडा, चंडी और दुर्गा के कई विनाशकारी रूपों में से एक माना जाता है। रौद्री, धूमराणी कालरात्रि मां के अन्य कम प्रसिद्ध नामों में हैं।
कालरात्रि की निरंतरता से पृथ्वी गतिशील है। इसी गतिशीलता के आधार भारत में संवत्सर का चिंतन है। भारतीय चिंतन में दिवस है, तो ऋतु है। चंद्र वर्ष है तो सौर संवत्सर है। पृथ्वी की गति पर काल गणना है तो चंद्र भी गणना का आधार है। कालगणना में क्रमशः प्रहर, दिन-रात, पक्ष, अयन, संवत्सर, दिव्यवर्ष, मन्वन्तर, युग, कल्प और ब्रह्मा की गणना की जाती है। उसी प्रकार ग्रहों और नक्षत्रों की गति का भी अपना प्रभाव और अध्ययन है। यह प्रकृति और पृथ्वी की व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। पृथ्वी से लेकर सूर्य और सूर्य से लेकर आकाशगंगा तक। सबकी अपनी गति है, इसलिए हरेक स्थान का समय

और संवत्सर भी भिन्न-भिन्न है। काल सर्वत्र एक सा नहीं है, सूर्य के आकाशगंगा के अभिमुख गतिमान होने के कारण मनवंतर है तो आकाशगंगा के नीहारिकाओं के चक्कर का आधार पर कल्प है। पृथ्वी के दिन-रात से समस्त के दिन-रात की वर्तुल गति में अन्त में संवत्सर विलीन हो गये। कई संवत्सर स्मरण करते हैं, कलियुग में ही छह व्यक्तियों ने संवत चलाएँ, यथा—मुधिष्ठिर, विक्रम, शालिवाहन, वेजयाभिनन्दन, नागर्जुन, कल्की। इससे हल्ले सप्तऋषियों ने संवत चलाएँ थे। वक्रीय अवधारणा के अतर्गत ही हिन्दुओं ने काल को कल्प, मन्त्रंतर, युग (सत्ययुग, त्रेता, द्वापर और कलियुग), आदि में वेभाजित किया जिनका अविर्भाव बार-बार देता है, जो जाकर पुनः लौटते हैं। चत्रीय का अर्थ सिफ़ इतना ही है कि सूर्य उदय और अस्त होता है और फिर से वह उदय होता है, तो किन इसका यह मतलब नहीं कि समय भी वक्रीय है। सिफ़ घटनाक्रम चत्रीय है।

**यूएनओ में भारत ने फेंका जाल, फंस गया पाक
खुद ही दुनिया के सामने कबूल
ली आतंकवादी होने की बात**

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने पाकिस्तान का दुनिया के सामने एक्सपोज कर दिया। आतंकवाद पर कार्रवाई करने के लिए जनरल असेंबली से अपील करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत को आजादी के बाद से ही ये चुनौती झेलनी पड़ी, क्योंकि उसका पड़ोसी वैश्विक आतंकवाद का केंद्र रहा है। हालांकि, उन्होंने पाक का नाम नहीं लिया, लेकिन यह एक जाल था और पाकिस्तान फंस गया। इतना सुनने के बाद यूनान मिशन में पाक के दूसरे सेकेटरी मो. राशिद ने जयशंकर के भाषण पर जवाब देते हुए कहा कि यह पाकिस्तान की छावें खराब करने की कोशिश थी। राशिद ने स्वीकार कर लिया कि पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र में दूसरे सचिव रैटला श्रीनिवास ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि जिस पड़ोसी देश का नाम नहीं लिया गया, उसने भी इस पर प्रतिक्रिया दी और सीमा पार आतंकवाद की अपनी पुरानी नीति को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की छावें सबके सामने हैं। आतंकवाद के निशान इतने साप्त हैं कि यह कई देशों में दिखता है। यह न सिर्फ पड़ोसियों के लिए है, बल्कि पूरी दुनिया के लिए खतरा है। उन्होंने आगे कहा कि कोई तर्क या झूठ 'आतंकिस्तान' के अपराधों को छिपा नहीं सकता।

संयुक्त राष्ट्र मिशन में दूसरे सचिव रेटला श्रीनिवास ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि जिस पड़ोसी देश का नाम नहीं लिया गया, उसने भी इस पर प्रतिक्रिया दी और सीमा पार आतंकवाद की अपनी पुरानी नीति को स्थीकार किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की छवि सबके सामने है। आतंकवाद के निशान इतने साफ हैं कि यह कई देशों में दिखता है। यह न सिफ पड़ोसियों के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए खतरा है। उन्होंने अपने चारों ओर एक चार चार

आताकर्सन का अपराधा का छिपा
नहीं सकता।

श्रीराम लक्ष्मी

एक राज्य - एक अखबार

रांची, सोमवार 29 सितंबर 2025 | आठिवन शुक्ल पक्ष 07, संवत् 2082 | रांची एवं पटना से प्रकाशित | गर्ड : 3, अंक : 172 | मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

एसीबी की रेड : विनय सिंह के ठिकानों से 198 फाइलें, 27 सीपीयू, 4 डीड जब्त



सप्तमं कालरात्रि
एकवेणी जपाकर्णपूरा नगन
खरास्तिता ।
लम्बोष्टी कर्णिकाकर्णी
तैलाभ्यतशरीरणी ॥
वामपादोल्लसल्लोहलताकण
कभूषणा ।
वर्धन्युर्धवजा कृष्ण
कालरात्रिशयकर्त्ती ॥
जो जगदबा भयंकर रुप होने
के बावजूद शाख फल प्रदान

करनेवाली हैं और इसी कारण शुभंकरी कहलाती है, उन माता कालरात्रि को भवित्पूर्वक नमन . शरदीय नवत्रता के सातवें दिन कालरात्रि के ही दर्शन-पूजन का विधान है . जिनके शरीर का रंग घने अंधकार की तरह एकदम काला है . सिर के बाल बिखरे हुए हैं और गले में विद्युत की तरह चमकने वाली माला है . बायीं तरफ के ऊपर वाले हाथ में लोहे का कांटा तथा नीचे वाले हाथ में खड़ग है . जिसके तीन नेत्र ब्रह्मण्ड के समान गोल हैं . जिनकी सांसों से ज्वाला निकलती रहती है . जो गर्दभ की सवारी करती है . जो ऊपर उठे हुए दाहिने हाथ की वर मुद्रा से भवतों को वर देती है और दाहिनी तरफ का नीचे वाला हाथ अभ्य मुद्रा में है , माता कालरात्रि की उपासना से सभी सिद्धियों के द्वार खुलने लगते हैं . इनके नाम के उच्चारण मात्र से आसुरी शक्तियां भयभीत होकर दूर भागने लगती हैं . माता कालरात्रि , काल से भी रक्षा करने वाली शक्ति है .

-डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

के 27 सीपीयू एक लैपटॉप, जमीन से संबंधित 4 डॉड और दो मोबाइल फोन जब्त किया है। छापेमारी सुवह के 6.15 बजे से शाम के 6.15 बजे तक चली। जिन जगहों पर छापेमारी की गई, वो सभी जगह जेल में बंद आइएस अधिकारी विनय चौबे के करीबी कारोबारी विनय सिंह से जुड़े हैं। विनय सिंह को एसीबी ने गुरुवार को एक जमीन की अवैध जमाबदी कराने के मामले में रिपोर्टर किया था। विनय चौबे शराब घोटाले में जेल में बंद हैं। उल्लेखनीय है कि एसीबी ने हाजारीबाग में हुई सरकारी जमीन की अवैध जमाबदी के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर विनय सिंह को गिरफतार किया है। विनय सिंह समेत अन्य आरोपियों के विरुद्ध आईपीसी की धारा 120बी, 420, 467, 468, 471 तथा भृष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988

की धारा 13(2) के साथ
13(1)(डी) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। छापेमारी खत्म होने के बाद एसीबी की टीम जब दस्तावेजों और डिजिटल उपकरणों की जांच में जट गई है, एसीबी को उम्मीद है कि

दो मोबाइल
और एक
लैपटॉप भी
साथ ले गईं
एसीबी की
टीम

कौन हैं विनय सिंह
विनय सिंह, रांची में रिस्थित नेक्ससजेन ऑटोमोबाइल्स के मालिक हैं और कुछ समय से जेल में बंद हैं। उनके खिलाफ़ कई वित्तीय अनियमितताओं 3 जमीन घोटालों की जांच चल रही है। एसीबी की टीम ने अभी तक छापेमारी से संबंधित कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। लेकिन रथानीय सूत्रों मुताबिक, महत्वपूर्ण दस्तावेज़ों और डिजिटल डेटा जब किए गए हैं। जांच आगे बढ़ने के साथ 3 भी खुलासे की उम्मीद की जा रही है।
किस्म की भूमि की अवैध जाकरणों का आरोप है। इसे लेकर प्र

हजारीबाग थाना में कांड संच्छा-
11/25 दर्ज किया गया है। एसीबी से मिली जनकारी के अनुसार अवैध जमाबंदी का यह मामला 2013 का है। जब डीसी कार्यालय, हजारीबाग ने पांच प्लॉटों की अवैध जमाबंदी को रद्द कर दिया था।

इस फैसले को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, झारखण्ड सरकार ने भी उसी साल सही ठहराया था। जबकि वन प्रमंडल पदाधिकारी, हजारीबाग पूर्वी वन प्रमंडल के पत्र संख्या 2612, पांच दिसंबर 2012 के अनुसार, यह स्पष्ट किया गया था कि अधिसूचित वन भूमि पर किसी भी तरह का गैर-वानिकी कार्य या अतिक्रमण भरतीय वन अधिनियम, 1927 और वन संरक्षण अधिनियम, 1980 का उल्लंघन है। इस पत्र में सर्वोच्च

हजारीबाग के जमीन घोटाले से जुड़ी है कार्टवाई

यह छापेमारी हजारीबाग में जमीन की अवैध जमाबंदी से जुड़े एक मामले को लेकर की गई बताया जा रहा है कि विनय सिंह, राज्य के एक वरिष्ठ अधिकारी विनय कुमार चौबे के करीबी माने जाते हैं, और यह जांच उसी संबंध की कड़ी में की जा रही है।

न्यायालय के टी गोदावरमन बनाम भारत सरकार मामले में 12 दिसंबर 1996 के आदेश का भी हवाला दिया गया था। जिसमें जंगल-झाड़ी दर्ज भूमि का गैर-वानिकी उपयोग के लिए भारत सरकार की पूर्व अनुमति आवश्यक बताई गई थी।

झारखण्ड में नियुक्तियों की प्रक्रिया धीमी

लानी होगी तेजी: 11 विभागों ने अब तक नहीं भेजी खाली पदों की सूची



रिक्त पदों से प्रभावित हो रहा कामकाज

झारखण्ड सरकार जहां सरकारी नियुक्तियों में तेजी लाने के प्रयास कर रही है, वहीं कई विभागों की लापरवाही इस प्रक्रिया में बड़ी बाधा बन रही है। सरकार ने जून 2025 में सभी विभागों को निर्देश जारी कर झारखण्ड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) को अधियाचन भेजने के उद्देश्य से सिविल सेवा से संबंधित रिक्त पदों की सूची मार्गी थी, लेकिन तीन महीने बीतने के बावजूद 11 विभागों ने अब तक यह सूची उपलब्ध नहीं कराई है।
कार्मिक विभाग ने भेजा सख्त पत्र अब इस मामले में कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के सचिव ने एक बार फिर संबंधित विभागों को सप्ताहभर के भीतर रिक्त पदों की सूची भेजने का निर्देश दिया है। सचिव द्वारा भेजे गए पत्र में स्पष्ट कहा गया है कि जारी नियुक्ति अपैत्रिक रूप से

झारखंड में लंबे समय से सरकारी पदों की बड़ी संख्या में रिक्तियां बनी हुई हैं, जिससे प्रशासनिक कामकाज प्रभावित हो रहा है। वहीं दूसरी ओर, बेरोजगारी की दर भी राज्य में लगातार बढ़ रही है। सरकार द्वारा नियुक्त प्रक्रिया को गति देने की कोशिशों के बावजूद, कुछ विभागों की शिथिलता के चलते प्रक्रिया ठप पड़ती नजर आ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते सभी विभाग रिक्तियों की अधियाचना नहीं भेजते, तो आगामी प्रतियोगी परीक्षा पर भी असर पड़ सकता है। ऐसे में जरूरी है कि सभी विभाग शीघ्रता से कार्यवाई करते कार्यवाई करते ताकि बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर और शासन-प्रशासन को आवश्यक मानव संसाधन मिल सके।

निषेध विभाग, कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग, त्रिमि नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग, महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग। ऐसीप्रकार 11-12वीं विद्यालय सेवा परीक्षा में 342 अध्यर्थी सफल हुए थे। इनमें उपसमाहर्ता - 207, डाएसपी 29, कारायोगिक - 2, राजनीति कर अधिकारी - 56, शिक्षा सेवा वेतन 10 थे। इसके अलावा भी अलग अलग विभागों में राजपत्रियों अधिकारियों के पद रिक्त हैं। इनवारुप संस्थाएँ भी उपायी तैयारी कर रही हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर पहली पीएचडी कर डॉ. बिंग बिक्रम बिरुली ने रचा इतिहास

श्रीमति शंदेश | चार्डबासा



**सड़क दुर्घटना में पिता
की मौत, पुत्र घायल**

दुमका। जिसे के दुमका साहिबगंज मार्ग पर रविवार कर्म सुबह मसलिया थाना क्षेत्र वे गाटीडौह मोड़ के पास हुए एवं सड़क हादसे में पिता की मौत ह गई। जबकि पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया है। मृतक की पहचान नरेश मरांडी (55) वर्ष के रूप में की गयी है। जबकि घायल बेटे का नाम शिवनारायण मरांडी (32) है घायल को नसिंग होम में भर्त कराया गया है। मिली जानकारी वे मुताबिक दोनों पिता पुत्र अपने घर से 100 मीटर की दूरी पर सड़क किनारे खेती को लेकर आपस में चर्चा कर रहे थे कि इसी दौरान जामताड़ा की ओर से आ रही सीमें लदी एक ट्रक दोनों को रौंदें हुए भाग निकला। इस घटना में पिता नरेश मरांडी की मौके पर मौत ह गई है। इसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया पुलिस ने बाद में आक्रोशित लोगों का समझा बुझाकर जाम हटाया।

जमशेदपुर में स्वयंसेवकों ने पथ संचलन निकाला **विधायक सरयू राय भी हुए शामिल**

शुभम सदंश । जमशेदपुर



थे. इनके खड़ा होने के लिए एकत्रीकरण में अलग पक्षित बनाई गई थी। कार्यक्रम के अंत में सूचना दी गई कि दशहरा के दिन संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरा होने के अवसर पर सभी बस्तियों में विकासित कार्यक्रम होंगे।

पलामू-लातेहार-गढ़वा

श्रीफ न्यूज

मध्यमक्षयी के काटने से बृद्ध की मौत, परिजन में मातम

बालुमाथ (लातेहार)। बालुमाथ प्रखंड के फिंडरकोम में मध्यमक्षयी के काटने से 80 वर्षीय बृद्ध की मौत हो गई, सुकर महतो शनिवार को मवेही चरने जंगल गए थे, जहां मध्यमक्षयी ने उन्हें काट दिया, देर शाम तक जब वे घटना घटना लोटे तो परिवार वाले उनकी तलाश में जुट गए, अंततः उन्हें बेसुध अवस्था में पाया गया और बालुमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचा गया, जहां चिकित्सियों ने उन्हें मृत संहित कर दिया, मृतक का मृत्युकोषी के पीछे उनका पूरा परिवार शोक में डूँगा है, इस घटना से डालक में शोक की लहर फैल पहुंची है।

मुआज़े की मांग को लेकर आधे घंटे तक मुख्य मार्ग जाम महुआडांड (लातेहार)

महुआडांड-डाल्टनगंज मुख्य मार्ग के ग्राम राजडण्डा नीरी तालाब के पास रविवार सुबह करीब ग्रामह बजे दुग्धा यात्री बस की टक्कर से दो जगान बैठों की भौंक पर ही मौत हो गई, किसान जावीर टोपो ने बताया कि बाद पैदित किसान और ग्रामीणों ने मुआज़े की मांग को लेकर करीब आधे घंटे तक मुख्य सड़क जाम कर दिया, सचना पाठक थाना प्रधारी मोरोज कुमार दल बल के साथ घटनास्थल पहुंचे, बस मालिक और पीड़ित के बीच समझौता कर उचित मुआज़े दिलाने का आवासन दिया गया और जाम हटाया गया।

दीवार ढहने से आठ वर्षीय बालक गंभीर रूप से घायल

लातेहार। बालुमाथ प्रखंड के सोपारम बाल भौंक से घायल को सरकारी शौचालय की दीवार पिण्ठने से आठ वर्षीय सतीश उर्फ कारूल गंदु, गंभीर रूप से घायल हो गया, बच्चा धर के बाहर खेल रहा था तभी दीवार आकानक भूमध्य कर गिर गई और बह मरम्भने देख गया, जिसने ने घायल को तुरत बालुमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे रांची रिस्स रेफर कर दिया गया।

शुभम संदेश | लातेहार

एसडीएम व एसडीपीओ के नेतृत्व में दुर्गा पूजा से पहले पलैग मार्च, शांति और सौहार्द बनाए रखने का संदेश

शुभम संदेश | महुआडांड (लातेहार)

दुर्गा पूजा के पावन अवसर को शांति, सौहार्द और बेहतर कानून व्यवस्था के साथ मनाने के लिए एसडीएम विधिक कुमार दुबे और डॉएसपी शिवपूजन बहेलिया के नेतृत्व में एक भव्य पलैग मार्च निकाला गया, यह मार्च थाना परिसर से प्रारंभ होकर शहीद चौक, सास्ती चौक, गांधी चौक, डीपालीयों, रामपुर, विरसा चौक सहित कई महत्वपूर्ण मार्गों से होते हुए उग्रजा है, इस मार्च में प्रशासन ने आम जनता से शांति बनाने रखने, अफवाहों से दूर रहने और त्योहार को एक जुट होकर मनाने के अपील साथ घटना का घटनाकाल सुरक्षा व्यवस्था का प्रदर्शन करना ही नहीं था, बल्कि यह प्रशासन की ओर से समाज में एकता, भाईचारा और संकृति का पर्व है, जो सभी धर्मों



और समुदायों के बीच सौहार्द बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है, प्रशासन ने साफ चेतावनी दी कि यदि कोई भी व्यक्ति सामाजिक सौहार्द या माहौल को बिगाड़ने का प्रयत्न करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, इस अवसर पर प्रशासन ने आम जनता से शांति बनाने रखने, अफवाहों से दूर रहने और त्योहार को एक जुट होकर मनाने के अपील साथ घटना का घटनाकाल सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सीसीटीवी कैमरे, ड्रॉन निगरानी और कंट्रोल रूम को एकत्र मोड में रखा गया है, ताकि

किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत नजर रखी जा सके और कार्रवाई हो सके।

इस दैरेसन थाना प्रधारी मनोज पुलिस उपनिवेशक इन्ड्रेव राजवार, रानु खान सहित कई अन्य पुलिसकर्मी भी मौजूद थे, इस आयोजन से स्थानीय लोगों में सुकृति को लेकर विश्वास बढ़ा रही है और वे त्योहार को शांति एवं उल्लंघन के लिए तैयार हैं, प्रशासन का यह कदम त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अनुशासनवैधता को रोकने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सदर थाना पुलिस ने निकाला पलैग मार्च

पूजा को लेकर सामाजिक सौहार्द का दिया संदेश

जेनेवे कुमार | मेदिनीनगर



पूजा को लेकर पलामू पुलिस ने जारी किया रूट चार्ट

शाम 4 बजे से सुबह 4 बजे तक शहर में बड़े गाहों की एंट्री पर रोक

मेदिनीनगर। दुर्गा पूजा के पावन अवसर को शांति और सौहार्द के साथ मनाने के लिए सदर थाना पुलिस ने जोड़, खनवां, बड़कागांव, पोखराहा, चियाकी, गोदाम चौक, भूसही, सुआ कौड़िया सिन्ह क्षेत्र के सेवनदशाल स्थानों पर पर्याप्त गांव मार्च निकाला, इस मार्च का नेतृत्व लेकिन इस्पेक्टर सुरक्षा राम और थाना प्रधारी लालजी ने किया, प्रधारी लालजी ने पूजा समिति के पदाधिकारियों से मिलकर त्योहार को सौमुदायी और शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की, उन्होंने लोगों से किसी भी तरह की असुविधा या समस्या होने पर तकाल पुलिस को सचित करने का आवश्यक बोला।

पलैग मार्च में एसडीआई रंजित कुमार, अधिकारी सिंह, नवी अंसारी, निशेशवर, रजक, अरविंद सिंह, योगेन्द्र पासवान सहित कई अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल थे, सर्किल इस्पेक्टर सुरेण राम वे बताया कि दुर्गा पूजा के दौरान स्थानीय लोगों ने तरह तरह दुर्गा पूजा के लिए देखा गया, जिसने ने आम जनता को अपील की, उन्होंने लोगों से किसी भी तरह की असुविधा या समस्या होने पर तकाल पुलिस को सचित करने का आवश्यक बोला।

पलैग मार्च में एसडीआई रंजित कुमार, अधिकारी सिंह, नवी अंसारी, निशेशवर, रजक, अरविंद सिंह, योगेन्द्र पासवान सहित कई अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल थे, सर्किल इस्पेक्टर सुरेण राम वे बताया कि दुर्गा पूजा के दौरान स्थानीय लोगों ने तरह तरह दुर्गा पूजा के लिए देखा गया, जिसने ने आम जनता को अपील की, उन्होंने लोगों से किसी भी तरह की असुविधा या समस्या होने पर तकाल पुलिस को सचित करने का आवश्यक बोला।

पलैग मार्च में एसडीआई रंजित कुमार, अधिकारी सिंह, नवी अंसारी, निशेशवर, रजक, अरविंद सिंह, योगेन्द्र पासवान सहित कई अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल थे, सर्किल इस्पेक्टर सुरेण राम वे बताया कि दुर्गा पूजा के दौरान स्थानीय लोगों ने तरह तरह दुर्गा पूजा के लिए देखा गया, जिसने ने आम जनता को अपील की, उन्होंने लोगों से किसी भी तरह की असुविधा या समस्या होने पर तकाल पुलिस को सचित करने का आवश्यक बोला।

पलैग मार्च में एसडीआई रंजित कुमार, अधिकारी सिंह, नवी अंसारी, निशेशवर, रजक, अरविंद सिंह, योगेन्द्र पासवान सहित कई अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल थे, सर्किल इस्पेक्टर सुरेण राम वे बताया कि दुर्गा पूजा के दौरान स्थानीय लोगों ने तरह तरह दुर्गा पूजा के लिए देखा गया, जिसने ने आम जनता को अपील की, उन्होंने लोगों से किसी भी तरह की असुविधा या समस्या होने पर तकाल पुलिस को सचित करने का आवश्यक बोला।

पलैग मार्च में एसडीआई रंजित कुमार, अधिकारी सिंह, नवी अंसारी, निशेशवर, रजक, अरविंद सिंह, योगेन्द्र पासवान सहित कई अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल थे, सर्किल इस्पेक्टर सुरेण राम वे बताया कि दुर्गा पूजा के दौरान स्थानीय लोगों ने तरह तरह दुर्गा पूजा के लिए देखा गया, जिसने ने आम जनता को अपील की, उन्होंने लोगों से किसी भी तरह की असुविधा या समस्या होने पर तकाल पुलिस को सचित करने का आवश्यक बोला।

पलैग मार्च में एसडीआई रंजित कुमार, अधिकारी सिंह, नवी अंसारी, निशेशवर, रजक, अरविंद सिंह, योगेन्द्र पासवान सहित कई अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल थे, सर्किल इस्पेक्टर सुरेण राम वे बताया कि दुर्गा पूजा के दौरान स्थानीय लोगों ने तरह तरह दुर्गा पूजा के लिए देखा गया, जिसने ने आम जनता को अपील की, उन्होंने लोगों से किसी भी तरह की असुविधा या समस्या होने पर तकाल पुलिस को सचित करने का आवश्यक बोला।

पलैग मार्च में एसडीआई रंजित कुमार, अधिकारी सिंह, नवी अंसारी, निशेशवर, रजक, अरविंद सिंह, योगेन्द्र पासवान सहित कई अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल थे, सर्किल इस्पेक्टर सुरेण राम वे बताया कि दुर्गा पूजा के दौरान स्थानीय लोगों ने तरह तरह दुर्गा पूजा के लिए देखा गया, जिसने ने आम जनता को अपील की, उन्होंने लोगों से किसी भी तरह की असुविधा या समस्या होने पर तकाल पुलिस को सचित करने का आवश्यक बोला।

पलैग मार्च में एसडीआई रंजित कुमार, अधिकारी सिंह, नवी अंसारी, निशेशवर, रजक, अरविंद सिंह, योगेन्द्र पासवान सहित कई अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल थे, सर्किल इस्पेक्टर सुरेण राम वे बताया कि दुर्गा पूजा के दौरान स्थानीय लोगों ने तरह तरह दुर्गा पूजा के लिए देखा गया, जिसने ने आम जनता को अपील की, उन्होंने लोगों से किसी भी तरह की असुविधा या समस्या होने पर तकाल पुलिस को सचित करने का आवश्यक बोला।

पलैग मार्च में एसडीआई रंजित कुमार, अधिकारी सिंह, नवी अंसारी, निशेशवर, रजक, अरविंद सिंह, योगेन्द्र पासवान सहित कई अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल थे, सर्किल इस्पेक्टर सुरेण राम



**इन टिप्प को
फॉलो करके बढ़ाएं
अपना कॉन्फिडेंस**

आमतौर पर कई लोगों को दूसरे व्यक्ति से बात करने में काफी डिज़ाइन होती है। वे लोग सामने वाले व्यक्ति से बात करने के लिए काफी सोचते हैं कैसे बात करें। अगर आप भी इन्हीं में से हैं तो आप इन टिप्पणियों को पढ़ें।

जब कॉन्फिडेंस वाई कमी हो तो आपकी परसोनलिटी काफी कमज़ार दिखाई देती है। अगर आप भी किसी दूसरे व्यक्ति से बात करने के दौरान शिक्षकता हो तो वह अच्छा नहीं है। वहीं किसी से बात करते समय शिक्षकना आपकी परसोनलिटी पर दुरा प्रभाव डाल देता है। आज हम इस लेख में आपको बताएंगे कुछ टिप्पा बताने जा रहे हैं जिन्हे आप पौलो करते अपनी व्यक्तित्व में निखार ला सकते हैं।

तो बहु दौँक करों

जब आप दूसरे से बात करते जामय काफी डिइक्यूलते हैं, तो आप इसके लिए सेल्फ टॉक करने की आदत डालते हैं। रोजाना शीशे में खुद से बात करें। ऐसा करने से आपको कॉर्निकडेस बढ़ेगा और इक्षुक दूर होगी। कई बार होता है कि किसी से बात करें तो डरे नहीं और सहज रहने की कोशिश करें, वहाँकि डरने से हमारा कॉर्निकडेस लेवल

त्रिपुरा राजी

ज्ञान रखना जरुरी
आप हमेशा बाद रखें कि जितना ज्ञान होगा
उतना ही जुबान चलती है। ही तके ज्ञान
हासिल करने का प्रयास करें। वर्धाकि इससे
दोलने के अदाज में निखार आता है और
हम आसानी से अपनी जात सामने पाले के



जर्मनी को बेस्ट एजुकेशन डेस्टिनेशन के तौर पर देख रहे हैं दुनिया भर के छात्र

जर्मनी तेजी से दुनिया भर के छात्रों की पहली पसंद बनता जा रहा है। जर्मनी ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर दिया जाता है। इससे दुनिया भर के छात्र बेस्ट एजुकेशन डेस्टिनेशन के तौर पर जर्मनी को देख रहे हैं। साल दर साल के हिसाब से जर्मनी में भारतीय छात्रों की संख्या 7 फीसदी के हिसाब से बढ़ रही है। जर्मनी की ओट आकर्षित होने के कई कारण हैं जिनमें से कुछ हाराह एजुकेशन की कम फीस, पढ़ने के बाट आखाजी से वर्क परगिट गिलना आधि शामिल हैं। देश की नीति भी छात्रों के हित में रहती है। इससे जर्मनी पहुंचने वाले विदेशी छात्रों की संख्या में और बढ़ोतारी हड्डी है।

जीएसएलएस फेलोशिप,
विर्जिनिया यनिवर्सिटी, जर्मनी

तीन सालों के लिए यह फैलोशिप विर्जकर्ग
यूनिवर्सिटी, जर्मनी द्वारा पीएचडी फेलोज द्वारा दी
जाती है। इस स्कॉलरशिप के लिए लाइक साइंस
के किसी भी विषय में डिग्री जरूरी होनी चाहिए।
इस फैलोशिप में हर साल करीब 4 लाख रुपये
रिहाई के खर्च, यात्रा आदि पर खर्च के लिए दिए
जाते हैं।

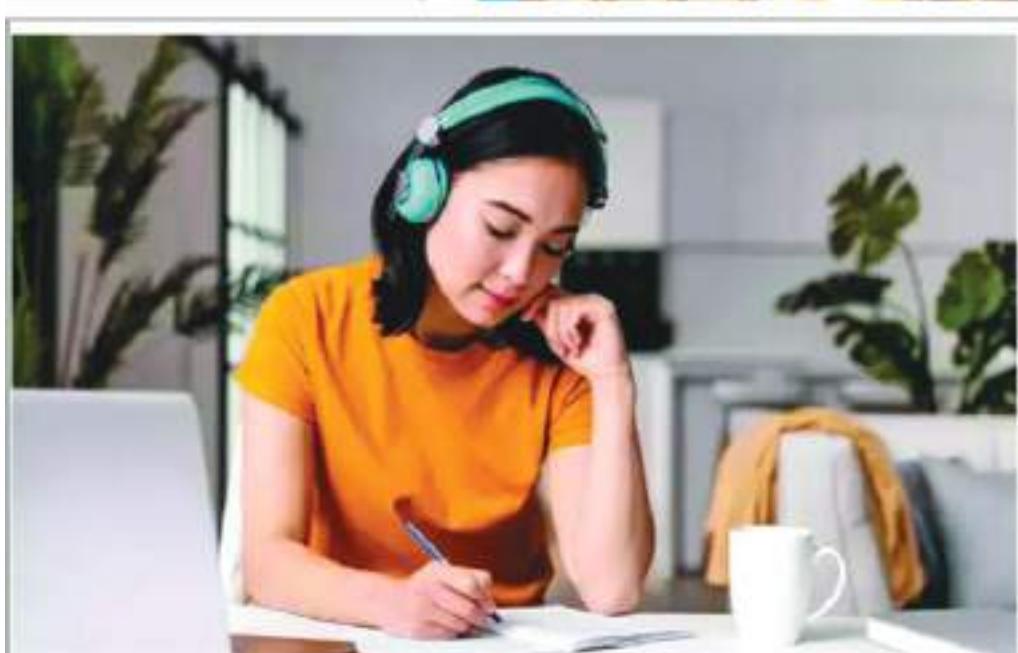
ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਮੌਜੂਦਿਆ

एप्टेक्स्यूक कलाराप
एप्टेक्स्यूक एकॉलरशिप काफी योग्य दैज़ानिकों
को दी जाती है। एकॉलरशिप प्रोजेक्ट के आधार पर
जमीनी मैं पढ़ने के लिए रंगुलर एकॉलरशिप और
नवीनीय एकॉलरशिप दीन गई। 12 महीने

जूनपर कलारण जान आवे
के लिए दी जाती है।

मैनहीम यूनिवर्सिटी

डॉचलेंड स्कॉलरशिप
यह स्कॉलरशिप मैनहाईम यूनिवर्सिटी द्वा
रा शुरू की गई है। यह मेरिट आवारित
स्कॉलरशिप है। बीजुएशन,
फोर्म और जूनियर आदि की
पढ़ाई करने वाले छात्र
इसके लिए आवेदन
कर सकते हैं।
करीब 24,000



हर साल हजारों की तादाद में छात्र इंजीनियरिंग की डिग्री लेकर कॉलेज से पास आउट होते हैं। इंजीनियरिंग की पढ़ाई कोई आसान नहीं होती। हालांकि, इतना कुछ करने के बाट भी कई लोग ऐसे हैं जिन्हें नौकरी नहीं मिलती हैं। चलिए जानते हैं आखिर क्यों भारत में इंजीनियरिंग करने वाले खात्रों को नौकरी के लिए भटकना पड़ सकता है।

भारत में इंजीनियरिंग करने के बाद क्यों नहीं मिल रही नौकरी?

आकड़ों के अनुसार 3.5 लाख से 4 लाख इंजीनियर प्रति वर्ष इंजीनियरिंग की डिप्ली हासिल करते हैं। ऑर्गेनाइज्ड रिवर्सलमेंट के आकड़े बता हैं कि इनमें से लगभग 1.5 लाख की जांच मिल जाता है वही बाकी के छात्रों को जांच के लिए काफी भटकाना पड़ता है। ऐसे में इन छात्रों को काफी चिकित्सा का समान करना होता है। कई छात्र नीकरी ना गिलने पर आपनी फिल्ड भी ढैंग कर लेते हैं। इस फिल्ड में आने वाले अधिकांश दबावों के साथ ऐसा होता है। खासकर ज्यादा दिक्षित उन लोगों द्वारा आती है जिनके पास अनुभव नहीं होता है। कई छात्र जो सालों तक इंटर्नशिप करना होता है। सालों तक इंटर्नशिप

करने के बाद भी जरूरी नहीं की प्राइवेट कंपनी आपको नैकरी दे ही देगी। कम पट होने के कारणी आगे आपको हायर करती है तो वह कालम सैलरी देते हैं। कंपनी योग्यता से ज्यादा पैदेखती है जो व्यक्ति कम सैलरी पर राजी हो जाता है कंपनी उनमें ही हावर करने का सोचती है। कई स्पॉर्ट्स में कल्प गया है कि - इन्डिनियर वाले बढ़ कर देखते हुए अब कंपनी ने अपना रिकर्स्यूल पैटर्न को बदल दिया है। इतना ही नहीं उनका यह भी कहना है कि आजकल के छात्र कम मैनन्त ज्यादा सैलरी चाहते हैं। जो कि विलक्षुल भी संभव नहीं है। वही कई स्थानों का कहना है कि कैडिंस्ट्रेश्यूल तक विलयर नहीं कर पाते हैं।

इंजीनियर को नौकरी जा भिलवारे का कारण

- इंजीनियरों की अधिक आवृत्ति
 - उद्योग-प्रासारणिक कौशल का अभाव
 - सॉफ्ट सिलेज का अभाव
 - प्रतिकूल आर्थिक वित्तियाँ

ऐसे कई कारण हैं जिनकी वजह से भारत में इंजीनियरिंग छात्रों को बेरोजगारी का सामना करना पड़ रहा है। यहाँ जानिए कूछ सामान्य कारण –

 - सरकारी को लौशल विकास कार्यक्रम प्रारंभ करना चाहिए।
 - उद्यमिता को बढ़ावा देना जरूरी है।
 - इंजीनियरिंग शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होना चाहिए।

स्पॉटर्स

मिथुन मनहास बने बीसीसीआई के नए अध्यक्ष, जम्मू-कर्नाटक से पहले खिलाड़ी को मिला ऐतिहासिक अवसर

एजेंसियां | नई दिल्ली



भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को नया नेतृत्व मिल गया है। पूर्व धरलू क्रिकेटर और अनुभवी बल्लेबाज मिथुन मनहास को बीसीसीआई का नया अध्यक्ष चुना गया है। जम्मू-कश्मीर के डॉडा जिले से ताल्लुक रखने वाले मिथुन एस इस प्रतिनिधित्व पद पर उन्होंने वाले राज्य के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उनकी नियुक्ति को भारतीय क्रिकेट और जम्मू-कश्मीर के लिए एक ऐतिहासिक क्षण माना जा रहा है।

मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने ट्रीट कर

मनहास को बधाई दी और इसे डॉडा जिले और जम्मू-कश्मीर के लिए गौवर्ण्य उल्लंघन बताया। उन्होंने इसे ऐतिहासिक क्षण कारर देते हुए कहा कि यह खिलाड़ी उनकी जम्मू-कश्मीर में और कुछ ही घंटों में किरणवार की शीतल के बावजूद यौवन बनने के बावजूद यौवन बड़ी सुपर क्रिकेट खिलाड़ी के लिए रहे। हाल ही में वह जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन के प्रशासक और दलीप ट्रॉफी में नाथ जन के संवाज भी रह चुके हैं। इसके अलावा, वह जुगाड़ टाइट्स के सोपोर्ट करियर बिताया है। उन्होंने 157 फर्स्ट

क्लास, 130 लिस्ट ए, और 91 टी20 मुकाबले खेले, जिसमें उनका नाम 9714 फर्स्ट क्लास नर दर्ज है। भल ही उन्हें भारतीय राष्ट्रीय टीम में खेलने का मानी नहीं मिला, लेकिन वे आर्धेंगल में दिल्ली डेयरीबैक्स, पुणे वारीयर्स और चैम्पियन्स ट्रॉफी में खेले। हाल ही में वह जम्मू-कश्मीर

स्टाफ का भी हिस्सा रहे हैं। रोजर बिन्नी की जगह संभालेंगे: मनहास को रोजर बिन्नी के स्थान पर अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बिन्नी के भारतीय क्रिकेट बोर्ड की अधिकारम आयु सीमा (70 वर्ष) पार करने के कारण पद छोड़ना पड़ा। इस पद के लिए, पूर्व खिलाड़ी हरभजन सिंह और रघुराम भट्ठे भी दौड़ में थे, जैसे खिलाड़ी-केंद्रित द्वार्टिकोण की उम्मीद मिथुन मनहास की नियुक्ति से उम्मीद की जा रही है कि बीसीसीआई में अब खिलाड़ी-केंद्रित नीतियों को अब बल खिलाड़ी ट्रॉफी के विकास, धरेल ट्रॉफी की गुणवत्ता में सुधार, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की स्थिति मजबूत करने की दिशा में यह नेतृत्व नियुक्त भूमिका निभा सकता है।

भारत में पहली तीरंदाजी प्रीमियर लीग की शुरुआत दशहरे पर

12 को फाइनल मुकाबला



एजेंसियां | नई दिल्ली

दिशा देवे वाला मंच है।

प्रतियोगिता संरचना:

राउंड रोबिन चरण 1: 2 से 6 अक्टूबर तक सभी टीमें एक-दूसरे से मुकाबला करेंगी।

राउंड रोबिन चरण 2: 7 से 11 अक्टूबर तक फिर से सभी टीमें आपस में भिड़ेंगी।

नॉकआउट चरण : 12 अक्टूबर को सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे।

इस लीग में भारत की अग्रणी तीरंदाज दीपिका कुमारी और ज्योति राज्यार्पण वेनमान अपनी प्रतियोगिता संरचना इसके साथ विवर के नंबर 1 तीरंदाज माइक श्लोवेस्पर, पीड़िया एलिसन और एलेंजिना वालेसिया जैसे अंतर्राष्ट्रीय सितारे भी मुकाबले में उतरेंगे।

तीरंदाजी प्रीमियर लीग का यह आयोजन भारत में इस पारंपरिक खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम मारा जा रहा है। इससे युवा और सांस्कृतिक स्तर पर भारतीय दिन पर इस लीग की शुरुआत होना बहुत गवर्नर की बात है। उन्होंने कहा, "यह केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि भारत की धनुष-बाण परंपरा और ओलंपिक सपनों को नई ऊंचाइयों में उठाना।"

पृष्ठीयराज योद्धा (दिल्ली)

• माझी मराठा (महाराष्ट्र)

• काकतीय नाइट्स (तेलंगाना)

• राजपुत्राना रॉयल्स (राजस्थान)

• देवरी आर्वर्स (आरंडर)

• गोला गोपीस (तमिलनाडु)

लीग के निदेशक अनिल कमिनी ने कहा कि दशहरा जैसे प्रतीकात्मक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण दिन पर इस लीग की शुरुआत होना बहुत गवर्नर की बात है। उन्होंने कहा, "यह केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि भारत की धनुष-बाण परंपरा और ओलंपिक सपनों को नई ऊंचाइयों में उठाना।"

लीग के निदेशक अनिल कमिनी ने कहा कि दशहरा जैसे प्रतीकात्मक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण दिन पर इस लीग की शुरुआत होना बहुत गवर्नर की बात है। उन्होंने कहा, "यह केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि भारत की धनुष-बाण परंपरा और ओलंपिक सपनों को नई ऊंचाइयों में उठाना।"

पृष्ठीयराज योद्धा (दिल्ली)

• गोला गोपीस (तमिलनाडु)

• राजपुत्राना रॉयल्स (राजस्थान)

• देवरी आर्वर्स (आरंडर)

• गोला गोपीस (तमिलनाडु)

लीग के निदेशक अनिल कमिनी ने कहा कि दशहरा जैसे प्रतीकात्मक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण दिन पर इस लीग की शुरुआत होना बहुत गवर्नर की बात है। उन्होंने कहा, "यह केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि भारत की धनुष-बाण परंपरा और ओलंपिक सपनों को नई ऊंचाइयों में उठाना।"

पृष्ठीयराज योद्धा (दिल्ली)

• गोला गोपीस (तमिलनाडु)

लीग के निदेशक अनिल कमिनी ने कहा कि दशहरा जैसे प्रतीकात्मक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण दिन पर इस लीग की शुरुआत होना बहुत गवर्नर की बात है। उन्होंने कहा, "यह केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि भारत की धनुष-बाण परंपरा और ओलंपिक सपनों को नई ऊंचाइयों में उठाना।"

पृष्ठीयराज योद्धा (दिल्ली)

• गोला गोपीस (तमिलनाडु)

लीग के निदेशक अनिल कमिनी ने कहा कि दशहरा जैसे प्रतीकात्मक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण दिन पर इस लीग की शुरुआत होना बहुत गवर्नर की बात है। उन्होंने कहा, "यह केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि भारत की धनुष-बाण परंपरा और ओलंपिक सपनों को नई ऊंचाइयों में उठाना।"

पृष्ठीयराज योद्धा (दिल्ली)

• गोला गोपीस (तमिलनाडु)

लीग के निदेशक अनिल कमिनी ने कहा कि दशहरा जैसे प्रतीकात्मक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण दिन पर इस लीग की शुरुआत होना बहुत गवर्नर की बात है। उन्होंने कहा, "यह केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि भारत की धनुष-बाण परंपरा और ओलंपिक सपनों को नई ऊंचाइयों में उठाना।"

पृष्ठीयराज योद्धा (दिल्ली)

• गोला गोपीस (तमिलनाडु)

लीग के निदेशक अनिल कमिनी ने कहा कि दशहरा जैसे प्रतीकात्मक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण दिन पर इस लीग की शुरुआत होना बहुत गवर्नर की बात है। उन्होंने कहा, "यह केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि भारत की धनुष-बाण परंपरा और ओलंपिक सपनों को नई ऊंचाइयों में उठाना।"

पृष्ठीयराज योद्धा (दिल्ली)

• गोला गोपीस (तमिलनाडु)

लीग के निदेशक अनिल कमिनी ने कहा कि दशहरा जैसे प्रतीकात्मक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण दिन पर इस लीग की शुरुआत होना बहुत गवर्नर की बात है। उन्होंने कहा, "यह केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि भारत की धनुष-बाण परंपरा और ओलंपिक सपनों को नई ऊंचाइयों में उठाना।"

पृष्ठीयराज योद्धा (दिल्ली)

• गोला गोपीस (तमिलनाडु)

लीग के निदेशक अनिल कमिनी ने कहा कि दशहरा जैसे प्रतीकात्मक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण दिन पर इस लीग की शुरुआत होना बहुत गवर्नर की बात है। उन्होंने कहा, "यह केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि भारत की धनुष-बाण परंपरा और ओलंपिक सपनों को नई ऊंचाइयों में उठाना।"

पृष्ठीयराज योद्धा (दिल्ली)

• गोला गोपीस (तमिलनाडु)

लीग के निदेशक अनिल कमिनी ने कहा कि दशहरा जैसे प्रतीकात्मक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण दिन पर इस लीग की शुरुआत होना बहुत गवर्नर की बात है। उन्होंने कहा, "यह केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि भारत की धनुष-बाण परंपरा और ओलंपिक सपनों को नई ऊंचाइयों में उठाना।"

पृष्ठीयराज योद्धा (दिल्ली)

• गोला गोपीस (तमिलनाडु)

लीग के निदेशक अनिल कमिनी ने कहा कि दशहरा जैसे प्रतीकात्मक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण दिन पर इस लीग की शुरुआत होना बहुत गवर्नर की बात है। उन्होंने कहा, "यह केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि भारत की धनुष-बाण परंपरा और

